

पी०सी० शर्मा,  
प्रमुख सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन ।

निदेशक,  
सागरिक उड्डयन विभाग,  
उत्तरांचल, देहरादून ।

देहरादून: दिनांक 25 नवम्बर, 2005

विषय- प्रत्येक जनपद में कम से कम एक-एक हैलीपेड निर्मित किये जाने हेतु भूमि कय किये जाने/अर्जन किये जाने के सम्बन्ध में वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति ।

उपर्युक्त विषय के सम्बन्ध में सम्बन्धित जिलाधिकारियों से प्राप्त प्रस्तावों के सम्बन्ध में शासन स्तर पर सम्यक विचारोपरान्त राज्य में विशिष्ट व्यक्तियों के आवागमन की सुविधा एवं पर्यटन एवं औद्योगिक विकास की गतिविधियों के मध्यनजर प्रत्येक जनपद में एक-एक हैलीपैड के निर्माण का निर्णय लिया गया है। इस सम्बन्ध में मुझे आपसे यह कहने का निदेश हुआ है कि वर्तमान वित्तीय वर्ष 2006-2007 में प्राविधानित धनराशि में से विभिन्न जनपदों के जिलाधिकारियों द्वारा भूमि की आवश्यकता का ऑकलन करते हुए उसके सापेक्ष निम्न तालिका के विवरणानुसार वॉंछित धनराशि रुपये 12.83 लाख (रुपये बारह लाख तिरासी हजार मात्र) की धनराशि निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन आपके निवर्तन पर रखते हुये व्यय हेतु अग्रिम आहरण की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

क्र०सं०	जनपद	सम्बन्धित जिलाधिकारी के प्रस्ताव/पत्र संख्या एवं दिनांक	स्थान	भूमि की कीमत (लाख में)	अन्य विवरण
1	उत्तरकाशी	पत्र संख्या-857/ 8-11/ 2004-2005, दिनांक 23 जनवरी, 2006	हर्षिल (मखूबा गांव)	6.00	एन०पी०वी० की धनराशि
2	-तदैव-	-तदैव-	यमुनोत्री (खरसाली गांव)	0.60	
3	चमोली	पत्र संख्या श्र 2394 रु343-07 2005-06 दिनांक 12 जनवरी, 2006)	फाटा	1.50	
4	बागेश्वर	पत्र संख्या 899/ बीस/ जे०ए०-हैलीपैड/ 2005 दिनांक 13 जनवरी, 2006	मेला दुगरी तहसील गरुड	3.94	
5	पींडी	246/ कैम्प/ 2005-2006 दिनांक 30-12-2005	लेन्सीडाउन	0.79	
	योग प्रत्येक जनपद			12.83	

रुपये बारह लाख तिरासी हजार मात्र

2. उक्त धनराशि ₹१० 12.83 लाख (रुपये बारह लाख तिरासी हजार मात्र) का आहरण उपरोक्त फॉट के अनुसार करते हुये प्रत्येक जनपद के जिलाधिकारी को रेखांकित बैंक ड्राफ्ट के माध्यम से उपलब्ध कराया जायेगा। किसी भी दशा में इस धनराशि का व्यावर्तन अन्य मदों में कदापि नहीं किया जायेगा।

3. उक्त धनराशि के व्यय की अलग से स्वीकृति प्रदान नहीं की जा रही है, बल्कि इस धनराशि के व्यय हेतु आहरण शासनादेश संख्या- 60/IX(31)/2006-2007/बजट/प्लान/नान प्लान/2006-2007, दिनांक 08 मई, 2006 द्वारा आपके निवर्तन में रखी गई धनराशि से ही किया जायेगा।

4. प्रत्येक जनपद में हैलीपैड निर्माण हेतु भूमि का चयन जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित एक चयन समिति द्वारा किया जायेगा। इस शासनादेश के साथ दिये जा रहे दिशा निर्देशों तथा लोक निर्माण विभाग द्वारा हैलीपैड तथा H के सम्बन्ध में बनाये गये मानक के अनुसार भूमि के चयन के सम्बन्ध में जिलाधिकारी आश्वस्त होने के उपरान्त

व्ययनोपरान्त भूमि का कय कर भूमि के क्षेत्रफल, स्थिति तथा भूमि के कुल मूल्य आदि की सूचना से यथा समय शासन तथा नागरिक उड्डयन निदेशालय को अवगत करायेगे। प्रश्नगत स्थल के उड्डयन क्षेत्र की बाधाओं के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की शंका होने पर उड्डयन सलाहकार का सहयोग प्राप्त किया जा सकता है।

5. प्रश्नगत भूमि का विक्रय पत्र नागरिक उड्डयन विभाग के नाम सम्पादित किये जाने हेतु सम्बन्धित जनपद के जिलाधिकारी अथवा उनके द्वारा नामित सक्षम अधिकारी को अधिकृत किया जाता है।

6. भूमि कय करने के उपरान्त अवशेष धनराशि की सूचना तत्काल निदेशालय / शासन को प्रेषित की जायेगी।

7. उक्त धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसमें बजट मैनुअल या वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों का अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त किया जाना आवश्यक है, उसमें उस अधिकारी की स्वीकृति के उपरान्त ही व्यय किया जायेगा। उक्त व्यय में मितव्ययता के विषय में शासन द्वारा समय-समय पर जारी किये गये समस्त शासनादेशों में निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

8. भूमि का कय करने के उपरान्त जिलाधिकारी द्वारा सम्पूर्ण धनराशि का व्यय विवरण शासन एवं निदेशक, नागरिक उड्डयन उत्तरांचल, देहरादून को उपलब्ध कराया जायेगा। व्यय विवरण हेतु अलग से एक रजिस्टर भी रखा जायेगा, जिसमें भुगतान की तर्क संगत दरों, भूमि का क्षेत्रफल, किस्म, रजिस्ट्री आदि पर व्यय, विक्रेता का नाम पता आदि उल्लिखित रहेंगे। व्यय से सम्बन्धित समस्त वाउचर जिलाधिकारी के कार्यालय में उपतानुसार सुरक्षित रखे जायेंगे।

9. भूमि का कय/अर्जन अथवा हस्तान्तरण की कार्यवाही होने के बाद भूमि का राजस्व अभिलेखों में हस्तान्तरण राजकीय नागरिक उड्डयन विभाग के नाम दर्ज किया जायेगा।

10. अग्रिम के रूप में स्वीकृत की जा रही उक्त धनराशि का दिनांक 31-3-2007 तक पूर्ण उपयोग कर समायोजन भी उक्त तिथि तक अवश्य कर लिया जायेगा। यदि कोई धनराशि अवशेष रहती है तो उसे शासन को समर्पित कर दिया जायेगा। यदि उक्त तिथि तक स्वीकृत धनराशि का समायोजन नहीं किया जाता है तो यह वित्तीय अनियमितता मानी जायेगी और इसके लिये सम्बन्धित जनपद के जिलाधिकारी ही उत्तरदायी माने जायेंगे।

11. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2006-2007 के आय-व्यय के अनुदान संख्या-24 के लेखाशीर्षक 5053-नागर विमानन पर पूंजीगत परिच्यय 02-विमान पत्तन-आयोजनागत-800-अन्य व्यय - 03-हवाई पट्टी के निर्माण हेतु अधिग्रहीत भूमि के प्रतिकर का भुगतान- 00-24-वृहत् निर्माण कार्य के नामें डाला जायेगा।

12. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या- 487(क)/ XXVII(2)/2006, दिनांक 24 अगस्त 2006 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(पी0सी0शर्मा)  
सचिव

संख्या- 200/IX(3)/2005-5(1)/2005-06, समदिनांकित

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तरांचल, ओबेरॉय मोटर बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।

2. आयुक्त, गढ़वाल/कुमौळ मण्डल, पौड़ी/नैनीताल।

3. समस्त जिलाधिकारी, उत्तरांचल।

4. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।

5. निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री जी

6. वित्त अनुभाग-2

7. बजट संसाधन एवं राजकोषीय निदेशालय।

8. गार्ड फाइल।

9. एन0आई0सी0उत्तरांचल सचिवालय।

आज्ञा से,

(पी0सी0शर्मा)  
प्रमुख सचिव



पी0सी0शर्मा,  
सचिव,  
उत्तरांचल शासन ।

समस्त जिलाधिकारी,  
उत्तरांचल ।

समस्त वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक,  
उत्तरांचल ।

नागरिक उड्डयन विभाग

देहरादून दिनांक 2 दिसम्बर, 2005

विषय:-

विशिष्ट व्यक्तियों की यात्राओं हेतु राजकीय वायुयानों की सुरक्षा व्यवस्था ।

महोदय,

उपर्युक्त विषय की ओर आपका ध्यान आकृष्ट करते हुये मुझे आपसे यह कहने का निदेश हुआ है कि विशिष्ट व्यक्तियों की हवाई यात्राओं के सम्पादन हेतु एक राजकीय विमान के अतिरिक्त एक घेतक हेलीकॉप्टर एवं एक डबल इंजन EC-135 यूरोकॉप्टर हेलीकॉप्टर भी उपलब्ध हो गया है, और परिचालन में हैं ।

आप अवगत ही हैं कि वायुयानों का परिचालन एक विशिष्ट प्रकार का कार्य है । इस हेतु विभिन्न स्रोतों से Operational Assistance की आवश्यकता होती है ताकि विशिष्ट व्यक्तियों की यात्रायें निर्बाध सम्पादित हो सकें । अतः सुरक्षा एवं परिचालन की दृष्टि से निम्नलिखित बिन्दुओं पर विशेष ध्यान देते हुये यथा आवश्यकता समय-समय पर कार्यवाही किए जाने हेतु सम्बन्धित अधिकारियों/कर्मचारियों को निर्देशित कर दें :-

- 1- जब भी हेलीकॉप्टर जनपद में उड़ान पर हों, उसके लैण्ड करने से टेक ऑफ के समय तक पूरी गुरुत्वाकर्षण से एक या दो शस्त्र गार्ड उसकी सुरक्षा के लिये तैनात रहें ।
- 2- कच्चे हेलीपैड पर पानी का पर्याप्त छिड़काव रहे ताकि धूल न उड़ने पावे ।
- 3- ए0टी0एफ0 के भरे हुये बैरल रखे जाये तथा समय-समय पर उनकी expiry को भी देख लिया जाय । बैरलों को तिरपाल से ढक कर रखा जाय । खराब तेल या expire तेल डालने पर इंजन को काफी नुकसान होता है, अतः इस सम्बन्ध में विशेष सतर्कता रखी जाये ।
- 4- यह भरसक प्रयास किया जाये कि हेलीकॉप्टर की उड़ान से पर्याप्त समय पूर्व ए0टी0एफ0 बैरल यथास्थान रख दिया जाये ताकि ए0टी0एफ0 में यदि घूल, कण या अन्य अवांछित सामग्री हो तो तलछट हो जाये ।
- 5- ए0टी0एफ0 रिफ्यूलिंग के पम्प के लिये बैटरी की आवश्यकता होती है, अतः कार्यक्रम के दौरान रिफ्यूलिंग हेतु वाहन की भी व्यवस्था रहे ।

समय-समय पर कौर्डिनेट्स की आवश्यकता पड़ती रहती है, अतः विशिष्ट व्यक्तियों के कार्यकर्मी की सूचना प्राप्त होते ही सम्बन्धित हेलीपैड के कौर्डिनेट्स, लम्बाई, चौड़ाई, समुद्रतल से ऊँचाई, और यदि हो सके तो कोई Mark Place की सूचना तत्काल नागरिक उड्डयन निदेशालय को प्रेषित कर दी जाये। हेलीपैड्स में H बनाया जाये तथा धुर की भी व्यवस्था रखी जाये।

7-

ए0टी0एफ0 की आपूर्ति हेतु प्रत्येक जनपद की मांग के अनुसार धनराशि नागरिक उड्डयन निदेशालय द्वारा उपलब्ध कराई जा रही है। इस धनराशि से ए0टी0एफ0 का क्रय एवं उसकी दुकान पर ही व्यय किया जाये तथा अन्य कार्यों हेतु व्यय न किया जाये। अग्रिम राशि समाप्त होने पर अगली अग्रिम राशि प्राप्त करने हेतु प्रत्येक अग्रिम राशि के समायोजन वाउचर नागरिक उड्डयन निदेशालय को प्रेषित किए जायें और अग्रिम का व्यय विवरण एक अलग रजिस्टर में रखा जाये।

8-

सेना के हेलीपैड्स के उपयोग की स्थिति में समय पर सेना से सम्बन्धित अधिकारियों से अनुमति प्राप्त कर ली जाये।

9-

देहरादून में पुलिस ग्राउण्ड की समय-समय पर आवश्यकता पड़ती है। हेलीकॉप्टर की Parking /Refuelling हेतु यह स्थान सुरक्षित तथा सुविधाजनक भी है। अतः वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून कृपया इस सम्बन्ध में आवश्यक अनुमति प्रदान करते हुए सम्बन्धित अधिकारियों को वहाँ पर हेलीकॉप्टर की सुरक्षा हेतु बारी-बारी से सुरक्षा गार्ड की तैनाती, समय-समय पर पानी के छिड़काव, आदि के लिये सम्बन्धित अधिकारियों को विशेष निर्देश प्रदान करने का कष्ट करें।

10-

ए0टी0एफ0 के बैरलप्राप्त करते समय ई0एस0आई0 की लिथि देख ली जाये तथा यदि पायलटों/अभियन्ताओं द्वारा स्थल पर ए0टी0एफ0 को भरते समय रिजेक्ट किया जाता है तो तत्काल उसकी वैकल्पिक व्यवस्था का भी ध्यान रखा जाये और किसी भी स्थिति में ऐसे बैरल पुनः रिफ़्यूलिंग के लिये न रखे जायें। Rejected ATF के निस्तारण के सम्बन्ध में पूर्व में ही विस्तृत दिशा निर्देश प्रेषित किये गये हैं।



सुविधा के लिये किसी भी प्रकार की जानकारी हेतु अधोहराक्षरी के कैंप कार्यालय के दूरभाष नं०- 0135-2712900 तथा फैंक्स नं०-0135-2712915 तथा नागरिक उड्डयन निदेशालय के दूरभाष एवं फैंक्स नं०- 0135-2668118 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

इस सम्बन्ध में कतिपय अन्य विस्तृत निर्देश इस पत्र के साथ संलग्नक-A में प्रेषित किये जा रहे हैं।

कृपया इस पत्र की प्राप्ति भी प्रेषित करने का कष्ट करें।

संलग्नक-उपरोक्तानुसार  
(Annexure-A)

भवदीय,

(पी०सी० शर्मा)  
सचिव,

नागरिक उड्डयन

30/10/

संख्या-464 / IX(28)/2005/OPERATIONAL ASSISTANCE/2005-06, समदिनांकित

- प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-
- 1- निदेशक नागरिक उड्डयन, उत्तरांचल, देहरादून।
  - 2- स्टाफ ऑफिसर, मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन।
  - 3- निजी सचिव, भा० मुख्यमंत्री जी, उत्तरांचल।
  - 4- एन०आई०सी०, उत्तरांचल सचिवालय, देहरादून।
  - 5- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(पी०सी० शर्मा)  
सचिव,

नागरिक उड्डयन

30/10/

## Security Arrangements

- (i) Helipad may be barricaded to prevent unnecessary movement close to the helipad.
- (ii) No Vehicular movement within 20 mtrs radius when rotors are turning (During start up as well as switch off)
- (iii) After the rotor stops, only the VIP vehicle to come as close as 10 mtrs radius from helicopter.
- (iv) No one except the inner circle of VIP Security personnel to be permitted within 5-10 m of the helicopter.
- (v) No naked flame/fire within helipad for purpose of generating smoke.
- (vi) Sufficient authorised Security Personnel to keep away onlookers. The Security Incharge should be briefed by the DM/SDM to contact the pilots in this regard. (Name tags/badges with designation may be thought of).
- (vii) Proper briefing of all the drivers involved in the convoy to be conducted in regard a/m points, vehicles on helipad to move at extremely slow speed.

### (b) Helipad requirements:-

- (i) Co-ordinates preferably by hand held GPS of possible dimensions elevation from sea level, nature of surface etc. to be provided at the earliest. (Dimensions of Ideal helipad attached as appendix).
- (ii) Pictorial description/diagram along with prominent land marks within 10-15 Kms. (Prominent towns/temples etc.) any obstruction above the height of the helipad within 100 m from H may be faxed (Mostly applicable for a new helipad).
- (iii) No tents, shamianas, loose articles which may fly off and damage the helicopter within 100 m from H.
- (iv) HT towers (200 mtrs), LT poles within 100 m to be marked with red flag.
- (v) Smoke candle to be lit away from any obstruction and also ensure that helipad is free from smoke.
- (vi) Fire tender with adequate foam to extinguish air craft fire.
- (vii) Helipad boundaries, 'H' marking should be prominent to be seen from air and should form sufficient contrast from its surroundings.
- (viii) Adequate measures should be taken to suppress dust by applying cow dung paste or sprinkling of water just prior to arrival of helicopter etc.
- (ix) Wires/Cables of strung across rivers irrespective of their height should be marked to easy identification. Two places where HT cable/wires are crossing the river (a) East of Harsil Civil Helipad towards Gangotri. (b) East of Kamprayag town towards Simli.



These are not marked and can prove dangerous. Any others of similar nature may be identified and marked accordingly. It is also requested that the same may be informed to the pilots at CAD at the earliest.

- (x) Any helipad not meeting the criteria attached as appendix may be clarified with the pilots. Trial landing if felt necessary should be done 48-72 hrs to facilitate changes as necessary.

(c) ATF Requirements

- (1) 12V DC Power supply for refueling pump
- (2) Barrels should be in good condition. Batch No., date of filling & ESL should be marked on the barrels.
- (3) Expiry date of fuel, lab test report/document containing batch No. and expiry date.
- (4) Seals should be intact, Bucket/Can (20 ltrs) for draining of fuel.
- (5) Barrels should be in upright position and should not be moved for a considerable period (24 hrs)
- (6) Barrels should be placed clear of obstructions where the helicopter can land without any difficulty. Tarpaulin covers from the Barrels may be removed before landing, to prevent it from flying off and damaging the helicopter.
- (7) Accounts should be maintained for balance/left over ATF.

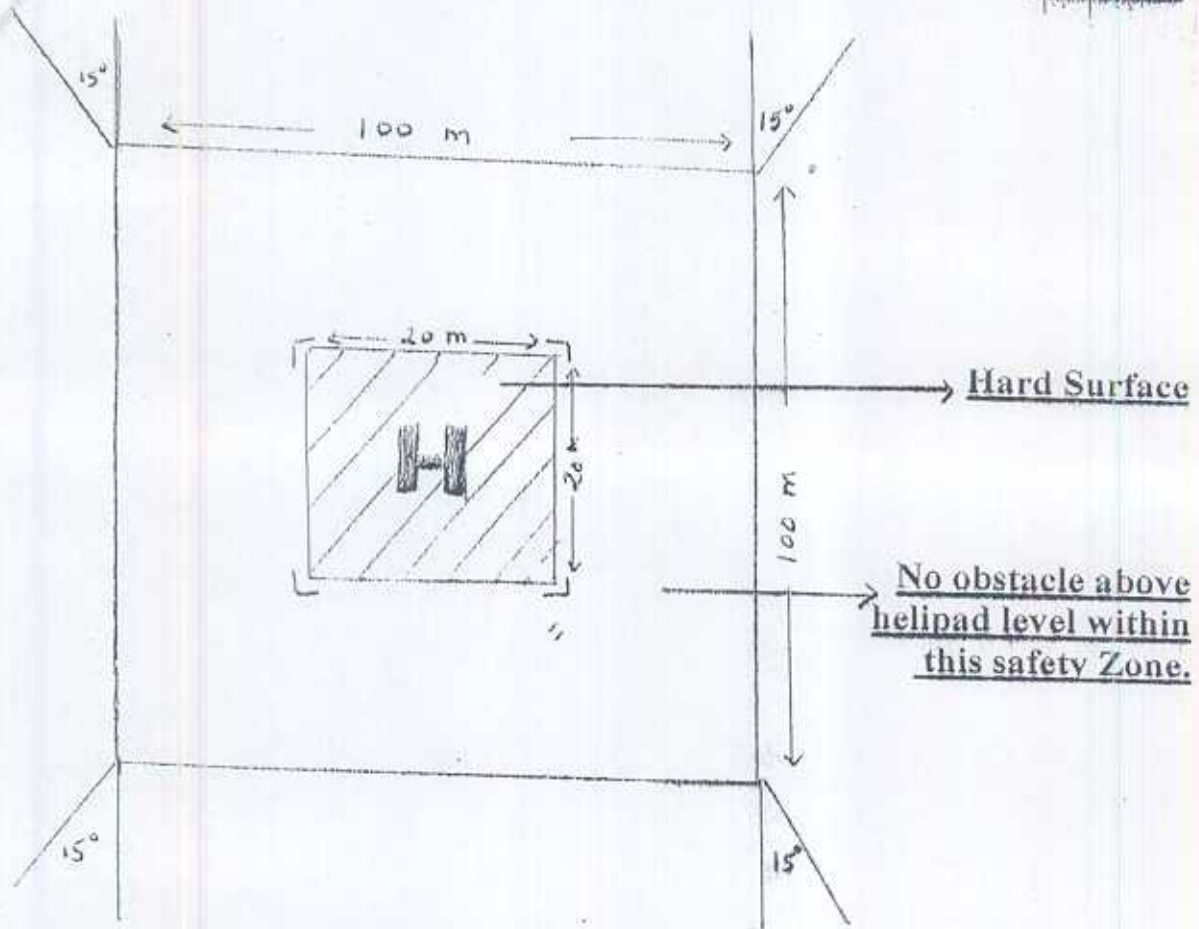
(d) Crew Requirements

- (i) One Vehicle in decent and good condition, in case the rest room is at a distance.
- (ii) Separate and good accommodation for all crew, in case of halt of more than 02 hrs.
- (iii) Applicable refreshments depending on the time of the day. (Breakfast, Lunch etc.)
- (iv) One Orderly with water/juice for the guests on board at the time of emplaning and deplaning.

The concerned authorities have considerable experience in handling VIP aircraft, any other requirement deemed necessary for safe operations may be incorporated.

(P.C. Sharma) 30/4/5  
Secretary

Civil Aviation Department



Guidelines for HT of obstruction from helipad centre in TAKE OFF/  
LANDING DIRECTION

110m	32'
120m	36'
130m	40'
135m	42'
150m	50'



प्रेषक,

पी0सी0शर्मा,  
सचिव,  
उत्तरांचल शासन ।

सेवामें,

समस्त जिलाधिकारी,  
उत्तरांचल ।

नागरिक उड्डयन विभाग

देहरादून:दिनोंक 16 दिसम्बर, 2005

विषय:-प्रत्येक जनपद में हैलीपैड का निर्माण ।

महोदय,

उपशुद्ध विषय की ओर आपका ध्यान आकृष्ट करते हुये मुझे आपसे यह कहने का निदेश हुआ है कि विशिष्ट व्यक्तियों की हवाई यात्राओं के सम्पादन हेतु प्रत्येक जनपद में एक-एक हैलीपैड के निर्माण का प्रस्ताव शासन के विचाराधीन है। इस सम्बन्ध में अब तक जिलाधिकारी चमोली, पिथौरागढ़ तथा चम्पावत से ही प्रस्ताव/आगमन प्राप्त हो पाये हैं। हैलीपैड निर्माण के सम्बन्ध में किस प्रकार की भूमि का चयन किया जाये तथा क्या-क्या सुरक्षात्मक बिन्दुओं की ओर ध्यान दिया जाये, इस सम्बन्ध में एवियेशन कन्सलटेन्ट द्वारा सुझावित बिन्दु इस पत्र के साथ संलग्न कर प्रेषित किये जा रहे हैं। कृपया इस आधार पर अविलम्ब भूमि का चयन कर प्रस्ताव/आगमन शासन को उपलब्ध कराने का कष्ट करें। जिलाधिकारी चमोली, पिथौरागढ़ तथा चम्पावत से अपेक्षा है कि वे कृपया पूर्व प्रेषित प्रस्तावों का उक्त बिन्दुओं के आधार पर भी परीक्षण कर संशोधित सूचना से अविलम्ब अदगत कराने का कष्ट करें।

भवदीय,

संलग्नक-उपरोक्तानुसार

(पी0सी0 शर्मा)  
सचिव,

नागरिक उड्डयन

7/12

## Guidelines for selection of sites and construction of Helipads/Heliports at district headquarters of Uttarakhand State.

Broadly speaking and taking into consideration all the operational aspects, following guidelines are furnished to each district Magistrates of Uttarakhand State for selection of a new site and construction of a new helipad/heliport on the said site.

For civil helicopter operations, a new helipad/heliport should comprise of the following facilities and conform to the following operational parameters :-

### A- Facilities

A new Helipad/Heliport mainly consists of the following facilities/areas:-

#### (i) Touch down and Liftoff Area (TLOF)

The dimensions of this area should be minimum 1.5 times of the length or width of the undercarriage whichever is greater of the largest helicopter for which the new helipad is intended to serve. This area may be of any shape but preferably should be circular or rectangular and it should be designed to sustain maximum takeoff weight of the proposed/ design helicopter. The surface of this area should be paved either from cement concrete or asphalt concrete and the surface slope of this area should not exceed 2% in any direction. This area is surrounded by final approach and takeoff area (FATO)

#### (ii) Final Approach and Takeoff Area (FATO)

The dimensions of this area should not be less than 1.5 times of the overall length/width of helicopter (including dimensions of helicopter fuselage or diameter of rotor blades) whichever is greater of the longest /widest helicopter for which the new helipad/heliport is intended to serve. The overall slope in any direction of this area should not exceed 3% and its surface should be resistant to the effects of rotor downwash and should have bearing strength sufficient to accommodate a rejected takeoff.

### B Safety Area and Approach Surface

#### (i) Safety Area

In case of VFR (Visual Flight Rules) operations i.e. operations under visual meteorological conditions a safety area around FATO should be provided for a distance of atleast 3 mtrs or 0.25 (1/4) times of overall length/ width of helicopter whichever is greater of the helicopter for which the new helipad is intended to serve.

In case of IFR (Instrument Flight Rules) operations i.e. instrument meteorological conditions the width of safety area should be minimum 90 mtrs and its length should be atleast 60 mtrs beyond the ends of FATO and the slope should not exceed plus-minus 5% .

#### (ii) Approach surface

The inner edge of the approach surface must be horizontal and equal in length to the minimum specified width of FATO and Safety area i.e 90 mtrs in case of IFR operations.

The maximum admissible divergence of approach funnel should be 10% / 15% for day/night operations and the approach slope should be 1:50

### C General

(i) To facilitate operations of one medium capacity helicopter, the dimensions of rectangular area available should be minimum 65 mtrs X 35 mtrs and for two medium capacity helicopters the dimensions of rectangular area should be 110 mtrs X 35 mtrs .

(ii) Necessary provisions for safety area and approach surfaces are required to be made as per guidelines in para B above.

(iii) For all weather operations including night operations, the new helipad is required to be provided with prescribed lighting arrangements for which separate guidelines will be issued if required.

(iv) In Case of Heliport i.e if the said helipad is to be used for commercial helicopter operations for the purpose of arrival/departure of air passengers/tourists etc., all the additional necessary arrangements for arrival/departure/security rooms alongwith provision of toilets and also a car park area are also required to be made for which additional area of dimensions 30 mtrs X 20 mtrs is also required at the site.

(G.S. Dhiman)

Aviation Consultant,  
Civil Aviation Department,  
Govt. of Uttarakhand.